BA-3, Paper - 5

Date - 30. 05. 2020

Topic - संगठन के सिद्धांत

Seema Kumari, Asst. Prof. (Pol. Sc.), RMC (SASARAM).

संगठन की परिभाषा :-

चेस्टर ई० बर्नार्ड - संगठन दो या अधिक व्यक्तियों का सतर्कता से सम्मानित व्यक्तिगत कार्य या बल की प्रणाली है।

विक्टर ए. थाम्पसन - संगठन कुछ घोषित निश्चित उद्देश्य प्राप्त करने में सहयोग करने वाले बहुत से विशेषज्ञों का तर्कसंगत और अवैयक्तिक एकीकरण है।

हर्बर्ट साइमन - संगठन का अभिप्राय सहयोगशील प्रयास की योजनाबद्ध प्रणाली है जिसमें प्रत्येक सहभागी को निश्चित भूमिका तथा कर्तव्य निभाना है तथा कार्य निष्पादन करना है।

एल० उर्विक - संगठन उन कार्यकलापों को निर्धारित करता है जो प्रयोजन के लिए आवश्यक है और उन्हें समूह में व्यवस्थित करता है जिन्हें व्यक्तियों को निष्पादन के लिए सौंपा जाता है। इस परिभाषा में यद्यपि कार्यों का निर्धारण और उनके संगठन को प्राथमिकता दी जाती है परंतु जिन व्यक्तियों को काम सौंपा जाता है वे बाद में आते हैं।

संगठन उन तरीकों का पैटर्न है जिनमें बहुत बड़ी संख्या में लोग आमने सामने संपर्क आरंभ करते है और आपस में सम्मत प्रयोजन की सतर्क और प्रणालीबद्ध पूर्ति में एक दूसरे से जुड़े रहते हैं।

जेम्स डी मूने, एलेन सी. रिले, हेनरी फेयोल, लूथर गुलिक, उर्विक और एफ. डब्लू टेलर जैसे विद्वानों ने कार्यक्षम संगठनात्मक संरचनाओं की योजनाओं के लिए मार्गदर्शक के रूप में संगठन के सिद्धांत विकसित किए हैं।

प्रमुख विद्वानों द्वारा विकसित संगठन के सिद्धांतों के वर्णन निम्नलिखित हैं –

लूथर गुलिक और उर्विक के सिद्धांत – उर्विक समाज में मनमुटाव और भ्रम की विशाल मात्रा, समाज में उसके प्रमुख परिणाम, संगठन में दोषपूर्ण व्यवस्था का वर्णन करता है। डिजाइनिंग प्रक्रिया के रूप में संरचना के महत्व पर बल देते हुए गुलिक और उर्विक ने उन सिद्धांतों की खोज पर अपना सारा ध्यान केंद्रित किया जिन पर संरचना डिजाइन की जा सकती है।

गुलिक के संगठन के 10 सिद्धांत :–

1. कार्य या विशेषज्ञता का विभाजन
2. विभागीय संगठन के आधार
3. पदानुक्रम द्वारा समन्वय
4. विवेचित समन्वय
5. समितियों के माध्यम से समन्वय
6. विकेंद्रीकरण
7. कमाण्ड की एकता
8. स्टाफ और लाइन
9. प्रत्यायोजन
10. नियंत्रण का विस्तार

Scanned with CamScanner